



Utkarsh



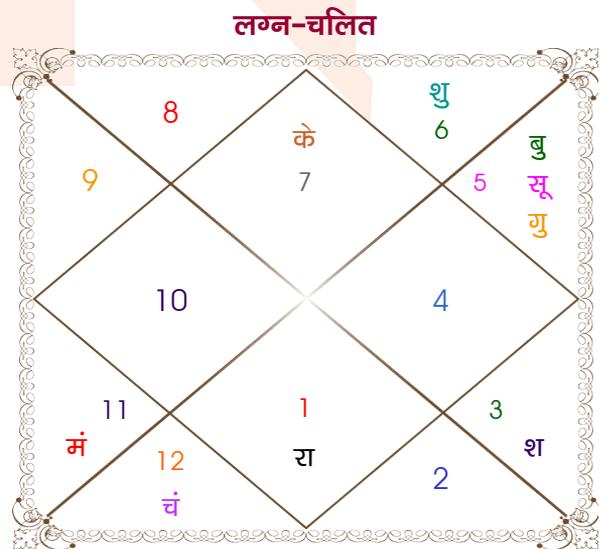
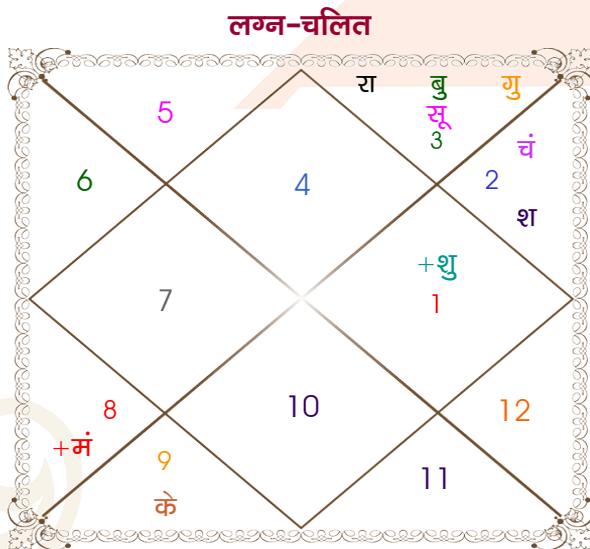
Diksha

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121278702

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : स्त्रीलिंग
 19/06/2001 : _____ जन्म तिथि _____ : 13/09/2003
 मंगलवार : _____ दिन _____ : शनिवार
 घंटे 08:05:00 : _____ जन्म समय _____ : 09:55:00 घंटे
 घटी 05:57:16 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 09:16:35 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Indore : _____ स्थान _____ : Ujjain
 22:42:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ : 23:11:00 उत्तर
 75:54:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ : 75:50:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:26:24 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:26:40 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 05:42:05 : _____ सूर्योदय _____ : 06:12:27
 19:13:20 : _____ सूर्यास्त _____ : 18:32:41
 23:52:22 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 23:54:18

विंशोत्तरी सूर्य 3वर्ष 3मा 23दि राहु		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी बुध 6वर्ष 7मा 20दि शुक्र	
		04:58:49	कर्क	लग्न	तुला	15:52:04		
		04:01:01	मिथु	सूर्य	सिंह	26:04:38		
		02:37:57	वृष	चंद्र	मीन	24:47:32		
		27:08:43	वृश्चि व	मंगल व	कुंभ	07:30:15		
राहु	24/06/2024	00:10:23	मिथु व	बुध व	सिंह	22:00:08	शुक्र	02/09/2020
गुरु	18/11/2026	00:41:53	मिथु	गुरु	सिंह	09:43:26	सूर्य	03/09/2021
शनि	24/09/2029	18:37:30	मेष	शुक्र	कन्या	03:00:46	चन्द्र	04/05/2023
बुध	12/04/2032	13:37:47	वृष	शनि	मिथु	17:42:00	मंगल	04/07/2024
केतु	01/05/2033	12:30:04	मिथु व	राहु व	मेष	28:19:38	राहु	04/07/2027
शुक्र	30/04/2036	12:30:04	धनु व	केतु व	तुला	28:19:38	गुरु	04/03/2030
सूर्य	25/03/2037	00:47:56	कुंभ व	हर्ष व	कुंभ	06:10:01	शनि	04/05/2033
चन्द्र	24/09/2038	14:30:53	मक व	नेप व	मक	16:54:29	बुध	04/03/2036
मंगल	13/10/2039	19:39:37	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	23:23:32	केतु	04/05/2037



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मेष	गज	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	मीन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	14.00		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि कर्षो का नक्षत्र रेवती है।

नजांती का वर्ग गरुड है तथा कर्षो का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार नजांती और कर्षो का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

नजांती मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

कर्षो मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

नजांती तथा कर्षो में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।